

आईआईटी रुड़की ने खोजा अनोखा एंटीबैक्टीरियल मॉलिक्यूल

चर्चा में क्यों?

11 मार्च, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार उत्तराखंड के रुड़की स्थिति आईआईटी के शोधकर्त्ताओं ने एक ऐसा एंटीबैक्टीरियल मॉलिक्यूल खोज निकाला है, जो दवाओं के साथ इस्तेमाल किये जाने पर न केवल स्टैफिलोकोकस ऑरयिस और स्यूडोमोनास एरुगानोसा बैक्टीरिया से होने वाले संक्रमण को रोकेंगे, बल्कि दवाओं के प्रतिरोध को भी खत्म करेगा।

प्रमुख बंदि

- संस्थान ने इस मॉलिक्यूल को आईआईटीआर 00693 नाम दिया है। आईआईटी रुड़की के इस शोध का नषिकर्ष प्रतषिठति अमेरकिन केमकिल सोसाइटी जर्नल एसीएस इंफेक्शियस डिजीजेज में प्रकाशति हुआ है।
- शोध करने वाली टीम में ऀषकेश एम्स के आशीष कोठारी और बलराम उमर के अलावा चंडीगढ के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की वरषा गुप्ता भी शामिल हैं। आईआईटी रुड़की के महक सैनी और अमति गौरव भी टीम का हसिंसा हैं।
- शोध टीम का नेतृत्व करने वाली आईआईटी रुड़की के बायो साइंसेस और बायो इंजीनियरिंग वंभिग की प्रोफेसर रंजना पठानिया ने बताया कि अब अणु को एक व्यवहार चकित्सीय एजेंट के रूप में वकिसति करने के लयि काम कर रहे हैं। जल्द ही इसका क्लीनिकल ट्रायल शुरू कयि जा सकता है।
- आईआईटी के इस नए मॉलिक्यूल का ग्राम-पॉजिटिवि और नगिटिवि बैक्टीरिया पर भी प्रभावी असर होगा। फेफड़ों, आँतों, जोड़ों और त्वचा के संक्रमण के अलावा जलने की अवस्था में फैलने वाले संक्रमण में भी यह मॉलिक्यूल अन्य एंटीबैक्टीरियल दवाओं के साथ दयि जाने पर बेहतर परणाम देगा।
- इस नए मॉलिक्यूल से शरीर के नाजुक अंगों और त्वचा में होने वाले घातक संक्रमण के ईलाज के दौरान दवा के प्रतिरोध को जल्द ही खत्म कयि जा सकेगा।